



SESSION :3
CLASS: II
SUBJECT : HINDI
CHAPTER : पाठ- 5
CHAPTER NAME- ऋ की मात्रा
SUBTOPIC : अपठित गद्यांश, सृजनात्मक कार्य

CHANGING YOUR TOMORROW

अधिगम

उत्प्रेषण

छात्रों में पठन कार्य के प्रति रुचि जागृत होगी
साथ ही उनमें काल्पनिक शक्ति का विकास
होगा

ऋ की मात्रा

ऋ मात्रा चिन्ह



क्रियाकलाप

वाक्यों में " ऋ "की मात्रा को रेखांकित कीजिए-

- क. मुझ पर कृपा करो ।
- ख. ऋषि पहाड़ पर बैठे हैं।
- ग. दूध अमृत है।
- घ. भारत कृषि प्रधान देश है।
- ङ. घृणा मत करो।
- च. हमारी मातृभाषा हिंदी है।

अपठित गद्यांश

ऋषि कृपालु का एक आश्रम था।

ऋषि का एक मृग था।

कृपालु सब पर कृपा करता था।

मृग वृक्ष के पास तृण खा रहा था।

अनुच्छेद पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें-

1. प्र . ऋषि का नाम क्या था ?

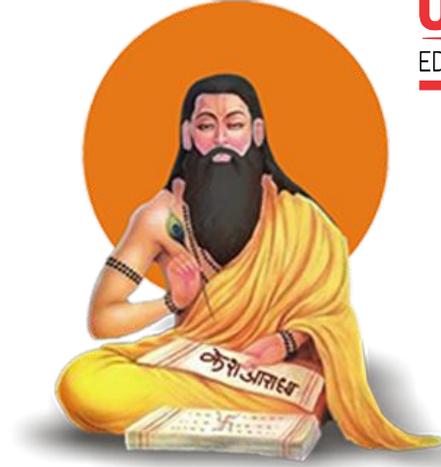
उ. ऋषि का नाम कृपालु था।

2. ऋषि का एक मृग था।

3. कृपालु सब पर कृपा करता था।

4. मृग वृक्ष के पास तृण खा रहा था।

5. सही वर्तनी पर घेरा लगाओ - रूषी / ऋषि



चित्रों के नाम बताओ



गृह



नृप



वृक्ष



पृथ्वी

सीखने के प्रतिफल

छात्रों के शब्द भंडार के विकास के साथ-साथ उनके लेखन कौशल में दृढ़ता आएगी और छात्रों के पठन कार्य के प्रति रुचि जागृत होगी

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP